Gyanvividha, Vol.-3; Issue-2 (Apr.-June) 2026 : PP-213-218

ज्ञानविविधा

कला, मानविकी और सामाजिक विज्ञान की सहकर्मी-समीक्षित, मूल्यांकित, त्रैमासिक शोध पत्रिका

ISSN : 3048-4537(Online)
3049-2327(Print)
IIFS Impact Factor-4.5
Vol.-3; Issue-2 (Apr.-June) 2026
Page No.- 213-218
©2026 Gyanvividha
https://journal.gyanvividha.com

Author's :

1. डॉ. पूजा

सहायक प्राध्यापक (शिक्षा संकाय), सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय परिसर, अल्मोड़ा.

2. रेनु राना

एम0एड0 शोधार्थी (शिक्षा संकाय), सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय परिसर, अल्मोड़ा.

Corresponding Author :

डॉ. पूजा

सहायक प्राध्यापक (शिक्षा संकाय), सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय परिसर, अल्मोड़ा.

खटीमा ब्लॉक के शासकीय विद्यालयों में माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत बालक एवं बालिकाओं की शैक्षिक रुचि का तुलनात्मक अध्ययन

सारांश : प्रस्तुत शोध में वर्णात्मक शोध की सर्वेक्षण प्रविधि के द्वारा खटीमा ब्लॉक के शासकीय विद्यालयों मे माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत बालक एवं बालिकाओं की शैक्षिक रुचि का तुलनात्मक अध्ययन किया गया। शोध में उत्तराखण्ड राज्य के खटीमा ब्लॉक के शासकीय विद्यालयों मे माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत (60 बालिकाओं एवं 60 बालकों) का यादृच्छिक विधि द्वारा चयन किया गया। शोध उपकरण के रुप में डॉ0 एस0 पी0 कुलश्रेष्ठ द्वारा निर्मित शैक्षिक रूचि मापनी द्वारा आकडों का संग्रहण किया गया। आँकड़ों के विश्लेषण हेतु मध्यमान, मानक विचलन तथा टी–परीक्षण का प्रयोग किया गया। शोध के परिणाम के अनुसार, खटीमा ब्लॉक के शासकीय विद्यालयों मे माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत बालक एवं बालिकाओं की शैक्षिक रुचि औसत एवं औसत से उच्च स्तर की पायी गयी। बालक एवं बालिकाओं की शैक्षिक रुचि के विषयों क्रमशः कृषि (AG), वाणिज्य (CO), मानविकी (HU), विज्ञान (SE), तकनीकि शिक्षा (TE) के संदर्भ में कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया गया एवं दृश्य कला (FA) एवं गृहविज्ञान (HS) विषय के संदर्भ में सार्थक अंतर पाया गया है। वहीं मध्यमान के अकों के आधार पर माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत बालकों की रुचि बालिकाओं की रुचि से बेहतर पायी गयी।

प्रमुख पद : शैक्षिक रुचि के विषयः कृषि, वाणिज्य, दृश्य कला, गृहविज्ञान, मानविकी, विज्ञान एवं तकनीकि संबंधित शिक्षा, माध्यमिक स्तर के बालक एवं बालिका।

प्रस्तावना : मनुष्य की अर्न्तनिहित पूर्णता को अभिव्यक्त करना ही शिक्षा है– स्वामी विवेकानन्द

मनुष्य के सर्वांगीण विकास में शिक्षा महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती है, शिक्षा एक ऐसा साधन है जो मानव को प्राणी जगत में अन्य जीवों से अलग करती है। बालक के व्यक्तित्व का विकास उसमें विद्यमान ज्ञान और शिक्षा की व्यवस्था पर निर्भर करता है। शिक्षा के माध्यम से ही विद्यार्थियों का सम्पूर्ण व्यक्तित्व और मानसिक स्तर बढ़ता है तथा उनमें कुशल जीवन यापन करने की क्षमता का विकास होता है। अतः यह कहना अन्यथा नहीं होगा कि शिक्षा के द्वारा ही व्यक्ति और समाज से देश का विकास संभव है। किसी भी देश के विकास की नीव शिक्षा होती है। इसलिए सभी देश अपने नागरिकों के लिए उत्तम शिक्षा की व्यवस्था करते हैं। वर्तमान में शिक्षा का उद्देश्य बालक में कला कौशल का विकास करना। प्रत्येक स्तर के व्यक्ति को शिक्षा की आवश्यकता होती है। शिक्षा का स्तर जितना ऊंचा होगा वहां के नागरिक उतना ही व्यवहारिक और आत्मविश्वास पूर्ण ढंग से अपना जीवन सफल बनायेंगे एवं राष्ट्र के विकास में अपना योगदान दे सकेंगे। संक्षेप में कहा जा सकता है। शिक्षा वह प्रकाश है। जिसके द्वारा छात्रों की शारीरिक, मानसिक, अध्यात्मिक शक्तियों का विकास होता है, एवं जीवन को रोशनी मिलती है।

साथ ही जीवन के प्रत्येक सकारात्मक उपलब्धि के द्वार खुल जाते हैं।

अरस्तु के अनुसार ''स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मस्तिष्क के निर्माण का कार्य शिक्षा करती है।''

मनुष्य के जीवन में अभिरूचि का महत्वपूर्ण स्थान है। जब यह अभिरूचि विद्यार्थियों से सम्बन्धित हो तो इनकी शैक्षिक उपलब्धि में इतना महत्व बढ़ जाता है। विद्यार्थी किसी कार्य को तभी सीख सकते हैं। जब उनमे इस कार्य के प्रति रूचि हो और यह प्रेरणा से ही सम्भव है।

मर्फी के शब्दो में "अभिरुचि उद्देश्यों से जुड़े अनुबंधित दीपक होते हैं। जो वातावरण की वांछित वस्तुओं, पदार्थो, क्रियाओं व मनुष्यों के गुणों के प्रति पसन्द एंव नापसंद के रूप में अभिव्यक्त होते हैं।"

उपर्युक्त परिभाषा के आधार पर कहा जा सकता है कि अभिरूचि एक प्रेरणा शक्ति है। जो व्यक्ति को कुछ करने या किसी वस्तु अथवा पदार्थ की ओर ध्यान देने लिए प्रेरित करती है। अभिरूचि का सम्बन्ध वातावरण की वस्तुओं एवं पदार्थों से होता है, तथा वंशानुक्रम से संबंधित कारक अभिरूचि को प्रभावित करते हैं। शैक्षिक अभिरूचि व्यक्ति को सीखने में आने वाले अवरोधक को दूर करने में सहायता प्रदान करती है। इस प्रकार कहा जा सकता है। शिक्षा चाहे स्कूल में हो या कॉलेज में अभिरूचि की अहमियत काफी अधिक बताई गई है। जब छात्र किसी विषय में रूचि लेते हैं तो वे उनके प्रति एक अनूकूल मनोवृत्ति भी रखते है। तथा साथ ही साथ अच्छी भावना भी रखते हैं। इन सब में शिक्षा के प्रति अधिक प्रेरित दिखते हैं। ऐसी परिस्थिति में विषय को तेजी से भी सीखते हैं, तथा उनका स्मरण भी लम्बे समय तक रखते हैं। अभिरुचि बालकों के शैक्षिक विकास को सहज –सरस एंव स्वाभाविक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

शैक्षिक रूचि से सम्बन्धित शोध का अवलोकन :

तिवारी, श्वेता (2020) के द्वारा माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों में अभिरूचि, अभिप्रेरणा एंव मूल्य का शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन किया गया। माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि के प्रभाव का अध्ययन। प्रस्तुत शोध अध्ययन में 9वीं व 11वीं कक्षा के 400 छात्र–छात्राओं को न्यादर्श के रूप में यादृच्छिक विधि द्वारा चयन किया गय परिणाम में माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अंतर पाया गया।

सिंह, ममता एवं मिश्रा, पतंजलि (2021), के द्वारा रीवा जिले में माध्यमिक स्तर पर छात्र–छात्राओं के शैक्षिक रूचि का तुलनात्मक अध्ययन किया गया। प्रशिक्षु की शैक्षिक रूचि का तुलनात्मक अध्ययन करना। शोध क्षेत्र के शहरी व ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों के शैक्षिक रूचि का तुलनात्मक अध्ययन करना है। परिणाम में शहरी व ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों के शैक्षिक रूचि में सार्थक अंतर पाया गया।

प्रसाद, हरी एवं त्रिपाठी, स्वर्णलता (2023) माध्यमिक शिक्षा स्तर पर अध्ययनरत छात्र व छात्राओं के शैक्षिक अभिरूचि का तुलनात्मक अध्ययन किया गया। आकड़ों के विश्लेषण से पता चला कि शोध क्षेत्र के शहरी व ग्रामीण माध्यमिक शिक्षा स्तर पर अध्ययनरत् विद्यार्थियों के शैक्षिक अभिरूचि में सार्थक अंतर है, तथा छात्र छात्राओं की शैक्षिक अभिरूचि में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया।

शोध समस्या कथन : खटीमा ब्लॉक के शासकीय विद्यालयों मे माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत बालक एवं बालिकाओं की शैक्षिक रुचि का तुलनात्मक अध्ययन।

शोध का सीमांकन : प्रस्तुत शोध में खटीमा ब्लॉक के शासकीय विद्यालयों मे माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत बालक एवं बालिकाओं की शैक्षिक रुचि का तुलनात्मक अध्ययन के लिये लिया गया हैं।

शोध के उद्देश्य :

1. माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थियों की शैक्षिक रुचि का अध्ययन।
2. माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत बालक एवं बालिकाओं की शैक्षिक रुचि का तुलनात्मक अध्ययन।

शोध की परिकल्पनाएं :

1. बालक एवं बालिकाओं की कृषि संबंधित शैक्षिक रुचि के मध्य कोई सार्थक अंतर नहीं है।
2. बालक एवं बालिकाओं की वाणिज्य संबंधित शैक्षिक रुचि के मध्य कोई सार्थक अंतर नहीं है।
3. बालक एवं बालिकाओं की दृश्य कला संबंधित शैक्षिक रुचि के मध्य कोई सार्थक अंतर नहीं है।
4. बालक एवं बालिकाओं की गृहविज्ञान संबंधित शैक्षिक रुचि के मध्य कोई सार्थक अंतर नहीं है।
5. बालक एवं बालिकाओं की मानविकी संबंधित शैक्षिक रुचि के मध्य कोई सार्थक अंतर नहीं है।
6. बालक एवं बालिकाओं की विज्ञान संबंधित शैक्षिक रुचि के मध्य कोई सार्थक अंतर नहीं है।
7. बालक एवं बालिकाओं की तकनीकि शिक्षा संबंधित शैक्षिक रुचि के मध्य कोई सार्थक अंतर नहीं है।

शोध विधि – प्रस्तुत शोध में विवरणात्मक विधि के अंतर्गत सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।

न्यादर्श का वितरण : प्रस्तुत शोध में खटीमा ब्लॉक के शासकीय विद्यालयों मे माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत 120 (60 बालक एवं 60 बालिकाओं) को न्यादर्श के रुप में लिया गया हैं।

शोध के चर– प्रस्तुत शोध में **स्वतंत्र चर** शैक्षिक रुचि तथा **आश्रित चर** माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत बालक एवं बालिकाऐं है।

शोध उपकरण– शैक्षिक रूचि के मापन हेतु **डॉ0 एस0 पी0 कुलश्रेष्ठ** द्वारा निर्मित **शैक्षिक रूचि मापनी** का प्रयोग किया गया है।

शैक्षिक रूचि मापनी का विवरण इस प्रकार है।

शैक्षिक रूचि मापनी – माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक रूचि के मापन हेतु **डा० एस० पी० कुलश्रेष्ठ** के द्वारा निर्मित शैक्षिक रूचि प्रपत्र का प्रयोग किया गया है। यह प्रपत्र 7 शैक्षिक रूचि के क्षेत्रों से सम्बन्धित 98 शैक्षिक विषयों के प्रति रूचि को दर्शाता है। इस प्रपत्र के माध्यम से व्यक्ति के पसंद या नापंसद की जानकारी प्राप्त होती है। इसके द्वारा छात्र–छात्राओं के अध्ययन वाले विषयों की रूचि ज्ञात कर शैक्षिक सामर्थय के अनुसार अधिक से अधिक ज्ञान का विस्तार करने एवं उपभोग करने योग्य बनाया जाता है।

1. **कृषि (AG)** – कृषि रूचि क्षेत्र के अन्तर्गत पशुपालन, कृषि, खाद सम्बन्धी, फल संरक्षण, दुग्ध उत्पादन, कृषि विस्तार, पशु चिकित्सा, गांव का विकास, वनस्पति विज्ञान आदि विषय शामिल हैं।
2. **वाणिज्य (CO) –** वाणिज्य क्षेत्र में वाणिज्य यातायात के सिद्धान्त, टंकण, व्यावसायिक गणित, व्यापार पत्राचार, शॉर्ट हॅण्ड, अंकेक्षण, बैंकिग, व्यापार प्रबंधन, बीमा, विदेशी व्यापार इत्यादि समाहित हैं।
3. **चित्रकला एवं संस्कृति (FA) –** गीत एंव संगीत, खिलौना बनाना, चित्रकला, पेंटिंग, साज सज्जा (सजावट), नृत्यकला आदि विषय इस क्षेत्र में आते हैं।
4. **गृह विज्ञान (HS) –** सामान्य गृह–कला, गृह बजट, स्वास्थ्य विज्ञान, पाक शास्त्र, गृह प्रबंधन, गृह सज्जा, सिलाई–कढ़ाई, बुनाई, शिशु पालन, संगीत–नृत्य आदि रूचियों इसमें शामिल है।
5. **मानविकी (HU) –** हिन्दी, इतिहास, भूगोल, अर्थशास्त्र, अंग्रेजी साहित्य, दर्शन, समाजशास्त्र, शिक्षा, मनोविज्ञान, तर्कशास्त्र तथा नागरिक शास्त्र इत्यादि विषय इस रूचि क्षेत्र के अन्तर्गत आते हैं।
6. **विज्ञान (SC) –** रसायन विज्ञान, भौतिक विज्ञान, प्राणि विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, भूगर्भ विज्ञान, गणित, सामान्य विज्ञान, चिकित्सा एंव शल्य विज्ञान इत्यादि विषय इस रूचि क्षेत्र में आते हैं।
7. **तकनीकी शिक्षा (TE) –** यांत्रिकी एंव सिविल इन्जीनियरिंग, विद्युत इंजीनियरिंग, फिटर–वेल्डिंग जुड़ाई के कार्य, रेडियो/टी०वी०/कम्प्यूटर इंजीनियरिंग इत्यादि विषय इस रूचि क्षेत्र में शामिल हैं।

उद्देश्य 1 – माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थियों की शैक्षिक रुचि का अध्ययन।

तालिका संख्या 4.1

माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक रूचि के मध्यमान एवं मानक विचलन हेतु तालिका

क्र.सं.	शैक्षिक रूचि के क्षेत्र	संख्या (N)	मध्यमान (M)	मानक विचलन(SD)
1	कृषि (AG)	120	6.26	3.72
2	वाणिज्य (CO)	120	6.21	3.20
3	दृश्य कला (FA)	120	5.75	3.51
4	गृहविज्ञान (HS)	120	6.64	3.46
5	मानविकी (HU)	120	7.19	3.32
6	विज्ञान (SC)	120	6.28	3.34
7	तकनीकि शिक्षा (TE)	120	5.68	3.80

माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत सभी विद्यार्थियों की शैक्षिक रूचि के सभी विषयों, मध्यमान एवं मानक विचलन को प्रदर्शित किया गया है। शैक्षिक रूचि के कृषि विषय पर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों का मध्यमान 6.26 व मानक विचलन 3.72 है उपरोक्त आयाम के मध्यमान के अवलोकन से ज्ञात होता है कि विद्यार्थियों की कृषि क्षेत्र के प्रति रूचि औसत से उच्च स्तर की है। शैक्षिक रूचि के वाणिज्य विषयों पर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों का मध्यमान 6.21 व मानक विचलन 3.20 है। उपरोक्त आयाम के मध्यमान के अवलोकन से ज्ञात होता है कि विद्यार्थियों की वाणिज्य क्षेत्र के प्रति रूचि औसत से उच्च स्तर की है। शैक्षिक रूचि के दृश्य कला विषय पर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों का मध्यमान 5.75 व मानक विचलन 3.72 है। उपरोक्त आयाम के मध्यमान के अवलोकन से ज्ञात होता है कि विद्यार्थियों की दृश्यकला विषय के प्रति रूचि औसत स्तर की है। शैक्षिक रूचि के गृह विज्ञान विषय पर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों का मध्यमान 6.64 व मानक विचलन 3.46 है। उपरोक्त आयाम के मध्यमान के अवलोकन से ज्ञात होता है कि विद्यार्थियों की गृह विज्ञान विषय के प्रति रूचि औसत से उच्च स्तर की है। शैक्षिक रूचि के मानविकी विषय पर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों का मध्यमान 7.19 व मानक विचलन 3. 32 है। उपरोक्त आयाम के मध्यमान के अवलोकन से ज्ञात होता है कि विद्यार्थियों की मानविकी विषय के प्रति रूचि औसत से उच्च स्तर की है। शैक्षिक रूचि के विज्ञान विषय पर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों का मध्यमान 6.28 व मानक विचलन 3. 64 है। उपरोक्त आयाम के मध्यमान के अवलोकन से ज्ञात होता है कि विद्यार्थियों की विज्ञान विषय के प्रति रूचि औसत से उच्च स्तर की है। शैक्षिक रूचि के तकनीकि विषय पर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों का मध्यमान 5.68 व मानक विचलन 3.

80 है। उपरोक्त आयाम के मध्यमान के अवलोकन से ज्ञात होता है कि विद्यार्थियों की तकनीकि विषय के प्रति रूचि औसत से उच्च स्तर की हैं।

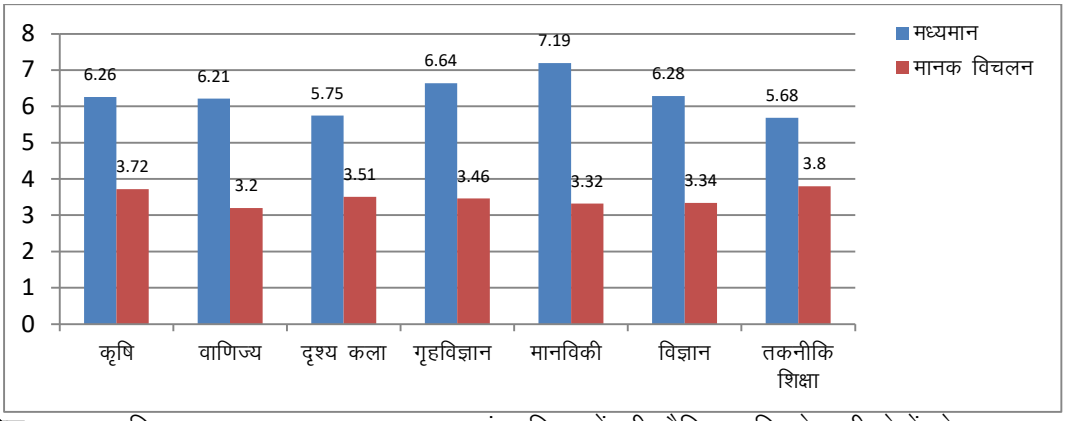

आरेख चित्र 2 : माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत बालक एवं बालिकाओं की शैक्षिक रुचि के सभी क्षेत्रों के मध्यमान एवं मानक विचलन का विवरण

उद्देश्य 2– माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत बालक एवं बालिकाओं की शैक्षिक रुचि का तुलनात्मक अध्ययन।

तालिका 1.1

माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत बालक एवं बालिकाओं की शैक्षिक रुचि के संदर्भ में तुलना हेतु टी–मान तालिका

शैक्षिक रूचि के क्षेत्र	लिंग	संख्या	मध्यमान	मनक विचलन	स्वतंत्रता अंश	क्रान्तिक अनुपात मान	परिणाम
कृषि (AG)	बालक	60	6.62	3.06	118	1.0511	असार्थक
	बालिका	60	5.90	4.30			
वाणिज्य (CO)	बालक	60	6.38	2.76	118	0.5952	असार्थक
	बालिका	60	6.02	3.62			
दृश्य कला (FA)	बालक	60	7.10	3.15	118	**4.5260**	**सार्थक ****
	बालिका	60	4.40	3.38			
गृहविज्ञान (HS)	बालक	60	7.33	3.29	118	**4.3744**	**सार्थक ****
	बालिका	60	4.75	3.18			
मानविकी (HU)	बालक	60	7.68	3.12	118	1.6267	असार्थक
	बालिका	60	6.70	3.49			
विज्ञान (SC)	बालक	60	6.45	3.34	118	0.4978	असार्थक
	बालिका	60	6.12	3.97			
तकनीकि शिक्षा (TE)	बालक	60	5.90	3.47	118	0.6437	असार्थक
	बालिका	60	5.45	4.16			
**** = 0.05 स्तर पर सार्थक (t सार्थकता मान– 1.98)***				***** = 0.01 स्तर पर सार्थक (t सार्थकता मान– 2.63)***			

उपरोक्त तालिका में माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत बालक एवं बालिकाओं की शैक्षिक रुचि के संदर्भ में तुलना हेतु मध्यमान, मानक विचालन एवं टी–मान को प्रदर्शित किया गया है। जिसका विवरण निम्नवत है–

माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत बालक एवं बालिकाओं की **कृषि क्षेत्र** के प्रति रुचि का मध्यमान क्रमशः 6.62 तथा 5. 90 एवं मानक विचलन क्रमशः 3.06 तथा 4.30 है जो यह इंगित करता है कि **कृषि क्षेत्र** में माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत बालकों की रुचि औसत से उच्च स्तर की तथा बालिकाओं की रुचि औसत स्तर की है। स्वतंत्रता अंश **118** पर प्राप्त क्रान्तिक–अनुपात मान **1.0511** है, जो कि असार्थक है। अर्थात माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत बालक एवं बालिकाओं की **कृषि क्षेत्र** के प्रति रुचि में कोई सार्थक अन्तर नहीं हैं। अतः **कृषि क्षेत्र** के प्रति रुचि के सन्दर्भ में **शून्य परिकल्पना स्वीकृत** की जाती है।

माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत बालक एवं बालिकाओं की **वाणिज्य क्षेत्र** के प्रति रुचि का मध्यमान क्रमशः 6.38 तथा 6.02 एवं मानक विचलन क्रमशः 2.76 तथा 3.62 है जो यह इंगित करता है कि **वाणिज्य क्षेत्र** में माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत बालक एवं बालिकाओं की रुचि औसत से उच्च स्तर की है। स्वतंत्रता अंश **118** पर प्राप्त क्रान्तिक–अनुपात मान **0.5952** है, जो कि असार्थक है। अर्थात माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत बालक एवं बालिकाओं की **वाणिज्य क्षेत्र** के प्रति रुचि

में कोई सार्थक अन्तर नहीं हैं। अतः **वाणिज्य क्षेत्र** के प्रति रुचि के सन्दर्भ में **शून्य परिकल्पना स्वीकृत** की जाती है।

माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत बालक एवं बालिकाओं की **दृश्य कला क्षेत्र** के प्रति रुचि का मध्यमान क्रमशः 7.10 तथा 4.40 एवं मानक विचलन क्रमशः 3.15 तथा 3.38 है जो यह इंगित करता है कि **दृश्य कला क्षेत्र** में माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत बालकों की रुचि औसत से उच्च स्तर की तथा बालिकाओं की रुचि औसत स्तर की है। स्वतंत्रता अंश **118** पर प्राप्त क्रान्तिक–अनुपात मान **4.5260** है, जो कि सार्थक है। अर्थात माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत बालक एवं बालिकाओं की **दृश्य कला क्षेत्र** के प्रति रुचि में सार्थक अन्तर हैं। अतः **दृश्य कला क्षेत्र** के प्रति रुचि के सन्दर्भ में **शून्य परिकल्पना अस्वीकृत** की जाती है।

माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत बालक एवं बालिकाओं की **गृहविज्ञान क्षेत्र** के प्रति रुचि का मध्यमान क्रमशः 7.33 तथा 4.75 एवं मानक विचलन क्रमशः 3.29 तथा 3.18 है जो यह इंगित करता है कि **गृहविज्ञान क्षेत्र** में माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत बालकों की रुचि औसत से उच्च स्तर की तथा बालिकाओं की रुचि औसत स्तर की है। स्वतंत्रता अंश **118** पर प्राप्त क्रान्तिक–अनुपात मान **4.3744** है, जो कि सार्थक है। अर्थात माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत बालक एवं बालिकाओं की **गृहविज्ञान क्षेत्र** के प्रति रुचि में सार्थक अन्तर हैं। अतः **गृहविज्ञान क्षेत्र** के प्रति रुचि के सन्दर्भ में **शून्य परिकल्पना अस्वीकृत** की जाती है।

माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत बालक एवं बालिकाओं की **मानविकी क्षेत्र** के प्रति रुचि का मध्यमान क्रमशः 7.68 तथा 7.07 एवं मानक विचलन क्रमशः 3.12 तथा 3.49 है जो यह इंगित करता है कि **मानविकी क्षेत्र** में माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत बालक एवं बालिकाओं की रुचि औसत से उच्च स्तर की है। स्वतंत्रता अंश **118** पर प्राप्त क्रान्तिक–अनुपात मान **1.6267** है, जो कि असार्थक है। अर्थात माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत बालक एवं बालिकाओं की **मानविकी क्षेत्र** के प्रति रुचि में कोई सार्थक अन्तर नहीं हैं। अतः **मानविकी क्षेत्र** के प्रति रुचि के सन्दर्भ में **शून्य परिकल्पना स्वीकृत** की जाती है।

माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत बालक एवं बालिकाओं की **विज्ञान क्षेत्र** के प्रति रुचि का मध्यमान क्रमशः 6.45 तथा 6.12 एवं मानक विचलन क्रमशः 3.34 तथा 3.97 है जो यह इंगित करता है कि **विज्ञान क्षेत्र** में माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत बालक एवं बालिकाओं की रुचि औसत से उच्च स्तर की है। स्वतंत्रता अंश **118** पर प्राप्त क्रान्तिक–अनुपात मान **0.4978** है, जो कि असार्थक है। अर्थात माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत बालक एवं बालिकाओं की **विज्ञान क्षेत्र** के प्रति रुचि में कोई सार्थक अन्तर नहीं हैं। अतः **विज्ञान क्षेत्र** के प्रति रुचि के सन्दर्भ में **शून्य परिकल्पना स्वीकृत** की जाती है।

माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत बालक एवं बालिकाओं की **तकनीकि शिक्षा क्षेत्र** के प्रति रुचि का मध्यमान क्रमशः 5. 90 तथा 5.45 एवं मानक विचलन क्रमशः 3.47 तथा 4.16 है जो यह इंगित करता है कि **तकनीकि शिक्षा क्षेत्र** में माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत बालकों एवं बालिकाओं की रुचि औसत स्तर की है। स्वतंत्रता अंश **118** पर प्राप्त क्रान्तिक–अनुपात मान **0.6437** है, जो कि असार्थक है। अर्थात माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत बालक एवं बालिकाओं की **तकनीकि शिक्षा क्षेत्र** के प्रति रुचि में कोई सार्थक अन्तर नहीं हैं। अतः **तकनीकि शिक्षा** के प्रति रुचि के सन्दर्भ में **शून्य परिकल्पना स्वीकृत** की जाती है।

उपरोक्त तालिका के अवलोकन से ज्ञात होता है कि माध्यमिक स्तर के बालक एवं बालिकाओं के शैक्षिक रुचि विषयों में क्रमशः कृषि (AG), वाणिज्य (CO), मानविकी (HU), विज्ञान (SE), तकनीकि (TE) संबंधित शिक्षा संदर्भ में टी–परीक्षण का प्राप्त मान तालिका मान के 0.05 सार्थकता स्तर के मान 1.98 से कम होने के कारण सार्थक नहीं है। वहीं दृश्य कला (FA) एवं गृहविज्ञान (HS) विषय के संदर्भ में टी–परीक्षण का प्राप्त मान तालिका मान के 0.01 सार्थकता स्तर के मान 2.63 से अधिक होने के कारण सार्थक अंतर पाया गया है।

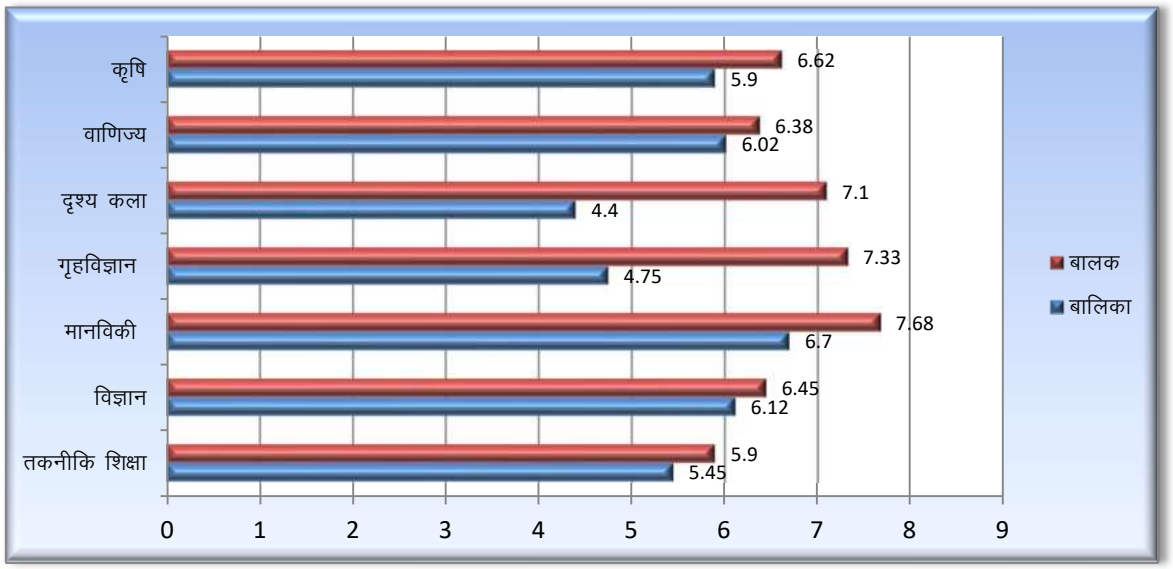

आरेख चित्र 2 : माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत बालक एवं बालिकाओं की शैक्षिक रुचि के सभी क्षेत्रों के मध्यमानों का तुलनात्मक विवरण।

अध्ययन के परिणाम–

1. बालक एवं बालिकाओं की कृषि संबंधी शैक्षिक रुचि के मध्य कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया।
2. बालक एवं बालिकाओं की वाणिज्य संबंधी शैक्षिक रुचि के मध्य कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया।
3. बालक एवं बालिकाओं की दृश्य कला संबंधी शैक्षिक रुचि के मध्य कोई सार्थक अंतर पाया गया।
4. बालक एवं बालिकाओं की गृहविज्ञान संबंधी शैक्षिक रुचि के मध्य कोई सार्थक अंतर पाया गया।
5. बालक एवं बालिकाओं की मानविकी संबंधी शैक्षिक रुचि के मध्य कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया।
6. बालक एवं बालिकाओं की विज्ञान संबंधी शैक्षिक रुचि के मध्य कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया।
7. बालक एवं बालिकाओं की तकनीकि शिक्षा संबंधी शैक्षिक रुचि के मध्य कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया।

निष्कर्ष एवं विवेचना : शैक्षिक रुचि मापनी के विषयों में रुचि बढते से घटते क्रम में क्रमशः इस प्रकार पायी गयी– **मानविकी, गृहविज्ञान, विज्ञान, कृषि, वाणिज्य, दृश्य कला, तकनीकि शिक्षा।** माध्यमिक स्तर के बालक एवं बालिकाओं की शैक्षिक रुचि उच्च स्तर तथा औसत से उच्च स्तर की पायी गई, किन्तु माध्यमिक स्तर के बालकों की शैक्षिक रुचि बालिकाओं से बेहतर पायी गई। शैक्षिक रुचि विषयों में क्रमशः **दृश्य कला** एवं **गृहविज्ञान** विषय के संदर्भ बालक एवं बालिकाओं के के मध्य सार्थक अन्तर पाया गया। **दृश्य कला** एवं **गृहविज्ञान** विषय में माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत बालकों की रुचि औसत से उच्च स्तर की एवं बालिकाओं की रुचि औसत स्तर की पायी गई, यह प्रदर्शित करता है कि बालकों की रुचि उपरोक्त दोनो विषयो में बालिकाओं से बेहतर है। वहीं शैक्षिक रुचि विषयों में क्रमशः **कृषि, वाणिज्य, मानविकी, विज्ञान** तथा **तकनीकि शिक्षा** के संदर्भ माध्यमिक स्तर के बालक एवं बालिकाओं के मध्य कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया गया।

शैक्षिक उपादेयता : उपरोक्त परिणामों के आधार पर कहा जा सकता है कि, माध्यमिक स्तर के बालक'–बालिकाओं की शैक्षिक रुचि उच्च स्तर तथा औसत से उच्च स्तर की पायी गयी। वहीं बढ़ते से घटते रुचि के क्रम के आधार पर कहा जा सकता है कि, वर्तमान समय सूचना एवं प्रोद्योगिकी का है। विद्यार्थियों को समय के साथ आगे बढाने के लिए विद्यालयों मे कौशलपरक जागरूकता कार्यक्रम होने चाहिए, जिससे कि विद्यार्थी शिक्षोपरान्त अपने रुचिनुसार अपने भावी रोजगार की ओर बिना भटकाव के पहुँच सकेंगें। साथ ही विद्यार्थी परिवार के प्रति उत्तरदायी, स्वास्थ्य के प्रति सजग, शिक्षा के प्रति वैज्ञानिक अभिवृत्ति, प्रचलन के प्रति व्यापक सोच, समाज के प्रति जिम्मेदार नागरिक भावना रखने में अग्रसर होंगें।

भावी शोध हेतु सुझाव : प्रस्तुत शोध उत्तराखण्ड राज्य के जनपद ऊधम सिंह नगर के खटीमा ब्लॉक के शासकीय विद्यालयों मे माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत बालक–बालिकाओं की शैक्षिक रूचि का अध्ययन किया गया हैं। भविष्य में यह शोध भारत के अन्य राज्यों तथा उत्तराखण्ड राज्य के अन्य जिलों के शहरी एवं ग्रामीण, अतिदुर्गम एवं पर्वतीय क्षेत्रों, माध्यमिक तथा उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों तथा विद्यालय न जाने वाले विद्यार्थियों की शैक्षिक रूचि का भी अध्ययन किया जा सकता है।

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1. **तिवारी, श्वेता (2020).** माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों में अभिरूचि अभिप्रेरणा एवं मूल्य का शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन, *इंटरनेशनल जरनल ऑफ साइन्टिफिक रिसर्च इन साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी,* 7(6), पृ0 सं0 366–371.
2. **सिंह, ममता एवं मिश्रा, पतंजलि (2021).** रीवा जिले में माध्यमिक स्तर पर छात्र–छात्राओं के शैक्षिक रूचि का तुलनात्मक अध्ययन, *इंटरनेशनल जरनल ऑफ एप्लाइड रिसर्च,* 7(9), पृ0 सं0 149–152.
3. **मिश्रा, सिद्वेश्वर एंव भार्गव, शुभ्रिका (2021).** उच्चतर माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थियों की व्यावसायिक शिक्षा के प्रति रूचि का अध्ययन, इंटरनेशनल जनरल ऑफ एडवांस इन सोशियल सांइस, , 9(2), पृ0 सं0 93–99.
4. **गुप्ता, पूनम, (2022).** शैक्षिक रूचियों का मनोवैज्ञानिक विश्लेषण, *IJARIIE,* 8(1), पृ0 सं0 1321–1325.
5. **.प्रसाद, हरी एवं त्रिपाठी, स्वर्णलता (2023).** माध्यमिक शिक्षा स्तर पर अध्ययनरत छात्र व छात्राओं के शैक्षिक अभिरूचि का तुलनात्मक अध्ययन *इंटरनेशनल जरनल ऑफ एप्लाइड रिसर्च,* 9(5), पृ0 सं0 307–310.
6. **अनिता एवं राठौर, उषा (2024).** उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की अभिरूचि का अध्ययन, *इंटरनेशनल जरनल ऑफ क्रियेटिव रिसर्च थॉट, होम साइंस,* 12(1), पृ0 सं0 1761–1765.

•